मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

MHD-17

हिन्दी में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम. एच. डी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2024

एम.एच.डी.-17 : भारत में चिंतन परंपराएँ और दलित साहित्य

समय : 2 घण्टे *अधिकतम अंक : 50*

नोट : किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. बौद्ध धर्म के उदय एवं विकास पर प्रकाश डालिए। 10
2. ईसा पूर्व छठी शताब्दी में उत्तर भारत की स्थिति पर प्रकाश डालिए। 10
3. बौद्ध दर्शन में अनात्मवाद के सिद्धांत के महत्व की चर्चा कीजिए। 10
4. महाकवि अश्वघोष की जीवनी एवं स्थितिकाल को निरूपित कीजिए। 10
5. धर्मकीर्ति के क्षणिकवाद के सिद्धांत की चर्चा कीजिए। 10

6. 'चार्वाक दर्शन' आदर्शवादी दार्शनिक सिद्धांतों को प्रखर प्रतिपक्ष के रूप में चुनौती देता है, कैसे ? सविस्तार चर्चा कीजिए। 10

7. सिद्धों की सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए। 10

8. महानुभाव पंथ का दर्शन और आचरण धर्म की विवेचना कीजिए। 10

9. नाथ साहित्य ने दलित साहित्य की आधारभूमि निर्मित करने में जो भूमिका निभाई, उसका विश्लेषण कीजिए। 10

10. तेलुगु संत काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 10

11. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर टिप्पणियाँ लिखिए : 2×5=10

(क) हरिदास साहित्य

(ख) बसवेश्वर

(ग) वीर शैव पुराण

(घ) प्रमुख निर्गुण संत